पेप्सिको के बढ़ते कदम, २००६ में दुगना पूँजी निवेश

स्वरूप समाचार

लखनऊ। गगनचुम्बी सफलताओं का इतिहास रचने वाली पेप्सिको कम्पनी खाद्य एवं पेय पदार्थों के उत्थान के लिए पहले से दुगना पूँजी निवेश करने जा रही है। चालू वर्ष में पेय पदार्थों की गति का एवं विस्तार हेतु भारत में पूँजी निवेश २२० मिलियन डालर के आंकड़े को पार कर जायेगा। जिसमें पेप्सिको की भागीदारी १७० मिलियन डालर होगी, और शेष ६ न निवेश बॉटलिंग पार्टनर करेंगे। पेप्सिको कम्पनी के चेयनमैन एवं सीईओ संजीव चड्ढ़ा ने पेय पदार्थो के गतिवर्धन और विस्तार पर प्रकाश डालते हुए बतलाया कि हमारे पेय पदार्थ भारत के उपभोक्ताओं के बीच लोकप्रियता के नए निशाने स्थापित कर रहे हैं। गतिवर्धन और प्रबल विस्तार के लिए पिछले वर्ष के मुकाबले में हम दुगने से ज्यादा खाद्य एवं पेय पदार्थों के पूर्ण विकास एवं पूर्ति हेतु प्रगति आवश्यक बुनियादी ढ़ाँचे को सुदृढ़ रूप दिया जा रहा है। जीवन की आवश्यकता की पूर्ति हेतु स्वप्नदर्शी योजनाओं को साकार करना ही पेप्सिको की महत्वाकाँक्षी योजना है। पूँजी निवेश की नई योजना को सफल कार्यान्वित रूप देने के लिए मेन्यूफेक्चरिंग के पेप्सिको मार्केट बाजार के बुनियादी ढाँचे सप्लाई चेन फूड प्रोसेसिंग और कृषि इसी तरह अपने लोकप्रिय पेयजल निम्बूज को बाजार में पेश करने और पेप्सी माईकैन इत्यादि को प्राथमिकता दी जायेगी। भारत सरकार ने एक्साइज में जो कटौती की है, इस कारणवश कम्पनी को अपने उत्पादों की कीमतों को स्थिर रखने में आसानी हुई है। पेप्सिको आशातीत है कि वह सदुपयोगी स्थानों पर अपने नए प्लान्टों की स्थापना कर पायेगी और उसकी उत्पादन शक्ति में बढ़ोत्तरी होगी। सोडा वाटर, फलों का रस, स्पोर्ट्स ड्रिंक्स इत्यादि पेय पदार्थो का सफल उत्पादन ही पेप्सिको का दृढ़ प्रतिज्ञ मन्सूबा है।